

## परिशिष्ट — III

### ग्रन्थ एवं ग्रन्थकारों की कालक्रमसारिणी

|                |                                                   |                            |
|----------------|---------------------------------------------------|----------------------------|
| ऋग्वेद         |                                                   | 2000 ई. पू. से 1300 ई. पू. |
| वैदिक साहित्य  | संहिता                                            |                            |
|                | ब्राह्मण                                          | 2000 ई. पू. से 800 ई. पू.  |
|                | आरण्यक                                            |                            |
|                | उपनिषद्                                           |                            |
| वेदांग साहित्य | (शिक्षा, कल्प, व्याकरण<br>निरुक्त, छन्द, ज्योतिष) | 800 ई. पू. से आरंभ         |
| लगधाचार्य      | वेदांग ज्योतिष                                    | 1400 ई. पू. से 800 ई. पू.  |
| यास्क          | निरुक्त                                           | 800 ई. पू.                 |
| पिंगलाचार्य    | छन्दःसूत्र                                        | 800 ई. पू. से 700 ई. पू.   |
| कपिल           | सांख्यसूत्र                                       | 700 ई. पू.                 |
| जैमिनि         | मीमांसासूत्र                                      | 600 ई. पू.                 |
| कणाद           | वैशेषिकसूत्र                                      | 500 ई. पू.                 |
| चरक            | चरकसंहिता                                         | 500 ई. पू. से 200 ई. पू.   |
| सुश्रुत        | सुश्रुतसंहिता                                     | 500 ई. पू.                 |
| पाणिनि         | अष्टाध्यायी                                       | 500 ई. पू.                 |
| वाल्मीकि       | रामायण                                            | 500 ई. पू.                 |
| व्यास          | महाभारत                                           | 400 ई. पू.                 |
| आश्वलायन       | आश्वलायनगृह्यसूत्र                                | 400 ई. पू.                 |
|                | ग्रन्थ एवं ग्रन्थकारों की<br>कालक्रमसारिणी 137    |                            |
| कौटिल्य        | (चाणक्य) अर्थशास्त्र                              | 400 ई. पू.                 |

|                       |                                                                                                                                                                      |                             |
|-----------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------|
| वादरायण               | ब्रह्मसूत्र                                                                                                                                                          | 300 ई. पू.                  |
| व्यास                 | पुराण                                                                                                                                                                | 300 ई. पू.                  |
| कात्यायन (वररुचि)     | वार्तिक (अष्टाध्यायी पर)                                                                                                                                             | 300 ई. पू.                  |
| पतञ्जलि               | महाभाष्य,<br>योगसूत्र                                                                                                                                                | 185 ई. पू.                  |
| भरतमुनि               | नाट्यशास्त्र                                                                                                                                                         | 100 ई. पू. से 300 ई. पू.    |
| भास                   | प्रतिभा, अभिषेक बालचरित,<br>पञ्चरात्र, मध्यमव्यायोग<br>कर्णभार,<br>उरुभंग दूतवाक्य,<br>दूतघटोत्कच।<br>स्वप्नवासवदत्त,<br>प्रतिज्ञायौगन्धरायण<br>आविमारक और चारुदत्त। | 100 ई. पू. से 200 ई. के बीच |
| मनु                   | मनुस्मृति                                                                                                                                                            | 200 ई. पू. से 200 ई. के बीच |
| कालिदास               | रघुवंश, कुमारसम्भव,<br>ऋतुसंहार,<br>मेघदूत,<br>मालविकाग्निमित्र,<br>विक्रमोर्वशीय,<br>अभिज्ञानशाकुन्तल।                                                              | 100 ई. पू.                  |
| अश्वघोष               | बुद्धचरित,<br>सौन्दरनन्द,<br>शारिपुत्रप्रकरण                                                                                                                         | प्रथम शताब्दी ई.            |
| गुणाढ्य               | बृहत्कथा                                                                                                                                                             | प्रथम शताब्दी ई.            |
| उमास्वामी (उमास्वाति) | तत्त्वार्थाधिगमसूत्र                                                                                                                                                 | 100 ई. के आस-पास            |
| हाल (शालिवाहन)        | गाथा सतसई (गाथा सप्तशती)                                                                                                                                             | प्रथम या द्वितीय शताब्दी ई. |
| प्रशस्तपाद            | पदार्थधर्मसंग्रह                                                                                                                                                     | द्वितीय शताब्दी ई.          |

|                   |                                                        |                                     |
|-------------------|--------------------------------------------------------|-------------------------------------|
| वात्स्यायन        | न्यायसूत्रभाष्य                                        | द्वितीय शताब्दी ई.                  |
| शर्ववर्मा         | कातन्त्र                                               | द्वितीय शताब्दी ई.                  |
| शाबरस्वामी        | शाबरभाष्य                                              | द्वितीय शताब्दी ई.                  |
|                   | नारदस्मृति                                             | दूसरी शताब्दी से पांचवी शताब्दी ई.  |
| विष्णुशर्मा       | पञ्चतन्त्र                                             | दूसरी शताब्दी से छठी शताब्दी के बीच |
| अमरसिंह           | अमरकोश                                                 | तीसरी शताब्दी ई. (पूर्वार्ध)        |
| वात्स्यायन        | कामसूत्र                                               | तीसरी शताब्दी ई.                    |
| याज्ञवल्क्यस्मृति |                                                        | तीसरी शताब्दी ई.                    |
| आर्यशू            | जातकमाला                                               | तीसरी-चौथी शताब्दी ई.               |
| शूद्रक            | मृच्छकटिक                                              | तीसरी-चौथी शताब्दी ई.               |
| ईश्वरकृष्ण        | सांख्यकारिका                                           | चौथी-शताब्दी ई.                     |
| चन्द्रगोस्वामी    | चान्द्रव्याकरण                                         | चौथी-पाँचवी शताब्दी ई.              |
| आर्यभट            | आर्यभटीय                                               | पाँचवीं शताब्दी ई. (उत्तरार्ध)      |
| विशाखदत्त         | मुद्राराक्षस                                           | पाँचवी छठी शताब्दी ई.               |
| कुमारदास          | जानकीहरण                                               | छठी शताब्दी ई.                      |
| दण्डी             | दशकुमारचरित,<br>काव्यादर्श,<br>अवन्तिसुन्दरीकथा        | छठी शताब्दी ई.                      |
| उद्योतकर          | न्यायवार्तिक                                           | छठी शताब्दी ई.                      |
| भारवि             | किरातार्जुनीय                                          | छठी शताब्दी ई.                      |
| भर्तृहरि          | वाक्यपदीय                                              | छठी शताब्दी ई.                      |
| वराहमिहिर         | पञ्चसिद्धान्तिका<br>वृत्तसंहिता,<br>बृहज्जातक, लघुजातक | 550 ई. के आसपास                     |
| भट्टि             | रावणवध या भट्टिकाव्य                                   | 500 ई. से 650 ई. के बीच             |
| भामह              | काव्यालंकार                                            | छठी शताब्दी ई.                      |
| माघ               | शिशुपालवध                                              | सातवीं शताब्दी ई.                   |

|                |                                          |                                |
|----------------|------------------------------------------|--------------------------------|
| शंकराचार्य     | भजगोविन्दम्,<br>सौन्दर्यलहरी, शांकरभाष्य | सातवीं शताब्दी                 |
| बाणभट्ट        | कादम्बरी,<br>हर्षचरित, चण्डीशतक          | सातवीं शताब्दी का पूर्वार्ध    |
| मयूरभट्ट       | सूर्यशतक                                 | सातवीं शताब्दी का पूर्वार्ध    |
| सुबन्धु        | वासवदत्ता                                | सातवीं शताब्दी का पूर्वार्ध    |
| भर्तृहरि       | शृंगारशतक,<br>नीतिशतक, वैराग्यशतक        | सातवीं शताब्दी ई.              |
| ब्रह्मगुप्त    | ब्रह्मस्फुटसिद्धान्त                     | सातवीं शताब्दी ई.              |
| महेन्द्रविक्रम | मत्तविलासप्रहसन                          | सातवीं शताब्दी ई.              |
| कामन्दकि       | कामन्दकीयनीतिसार                         | सातवीं शताब्दी ई.              |
| प्रभाकर मिश्र  | बृहतीटीका (शाबरभाष्य पर)                 | सातवीं शताब्दी ई.              |
| हर्ष           | प्रियदर्शिका, रत्नावली,<br>नागानन्द      | सातवीं शताब्दी ई. का पूर्वार्ध |
| भवभूति         | महावीरचरित, मालती-<br>माधव, उत्तररामचरित | सातवीं शताब्दी ई. के<br>आसपास  |
| अमरुकवि        | अमरुशतक                                  | सातवीं शताब्दी                 |
| वाक्पतिराज     | गडडवहो                                   | 750 ई. के आसपास                |
| भट्टनारायण     | वेणीसंहार                                | सातवीं आठवीं शताब्दी ई.        |
| दामोदरभट्ट     | कुट्टनीमत                                | आठवीं शताब्दी ई.               |
| हरिभद्र        | षड्दर्शनसमुच्चय                          | आठवीं शताब्दी ई.               |
| मुरारि         | अनर्घराघव                                | आठवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध   |
| वामन           | काशिकावृत्ति,<br>काव्यालंकारसूत्र        | आठवीं-दसवीं शताब्दी ई.         |
| पुष्पदन्त      | शिवमहिम्न स्तोत्र                        | आठवीं-दसवीं शताब्दी ई.         |
| बुद्धस्वामी    | बृहत्कथाश्लोकसंग्रह                      | आठवीं-नवीं शताब्दी ई.          |
| वामन           | काव्यालंकारसूत्र                         | आठवीं शताब्दी ई.               |
| आनन्दवर्धन     | ध्वन्यालोक                               | 850 ई.                         |
| वाचस्पति मिश्र | तात्पर्यटीका                             | तत्त्वकौमुदीटीका (सांख्य)      |

|                 |                                                                                                                       |                               |
|-----------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------|
| नवीं शताब्दी ई. | तत्त्वचिन्तामणि                                                                                                       |                               |
| शाकटायन         | (पाल्यकीर्ति) शाकटायन व्याकरण                                                                                         | नवीं शताब्दी ई.               |
| दामोदरमिश्र     | हनुमन्नाटक                                                                                                            | नवीं शताब्दी ई.               |
| रत्नाकर         | हरविजय                                                                                                                | नवीं शताब्दी ई.               |
| शिवस्वामी       | कप्फणाभ्युदय                                                                                                          | नवीं शताब्दी ई.               |
| राजशेखर         | काव्यमीमांसा, बालरामायण,<br>बालभारत, कर्पूरमञ्जरी                                                                     | नवीं शताब्दी ई.               |
| सिद्धार्थ       | विद्धशालभञ्जिका                                                                                                       | नवीं शताब्दी ई.               |
| श्यामिलक        | उपमितिभवप्रपञ्चकथा                                                                                                    | नवीं शताब्दी ई.               |
| जयन्तभट्ट       | पादताडितक                                                                                                             | 800-900 ई. के बीच             |
| सोमदेव सूरि     | न्यायमञ्जरी                                                                                                           | दसवीं शताब्दी ई.              |
|                 | नीतिवाक्यामृत,<br>यशस्तिलकचम्पू                                                                                       | दसवीं शताब्दी ई.              |
| धनपाल           | तिलक मञ्जरी                                                                                                           | दसवीं शताब्दी ई.              |
| हरिचन्द्र       | जीवन्धरचम्पू                                                                                                          | दसवीं शताब्दी ई.              |
| त्रिविक्रमभट्ट  | नलचम्पू, मदालसाचम्पू                                                                                                  | दसवीं शताब्दी ई. का पूर्वार्ध |
| हलायुध          | अमिधनरत्नमाला                                                                                                         | दसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध  |
| कुन्तक          | वक्रोक्तिजीवित                                                                                                        | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| महिमभट्ट        | व्यक्तिविवेक                                                                                                          | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| क्षेमेन्द्र     | सुवृत्ततिलक, दशावतारचरित,<br>कलाविलास, दर्पदलन,<br>चतुर्वर्गसंग्रह, बृहत्कथा मञ्जरी,<br>समयमात्रिका, औचित्यविचारचर्चा | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| यादवप्रकाश      | वैजयन्तो                                                                                                              | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| कृष्णमित्र      | प्रबोधचन्द्रोदय                                                                                                       | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| सोमदेव          | कथासरित्सागर                                                                                                          | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| सोड्डल          | उदयसुन्दरीकथा                                                                                                         | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| रामानुज         | श्रीभाष्य                                                                                                             | ग्यारहवीं शताब्दी ई.          |
| हेमचन्द्र       | कुमारपालचरित,                                                                                                         | 1088 ई. से 1172 ई.            |

|                |                                                                                       |                                  |
|----------------|---------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------|
| बिल्हण         | अभिधानचिन्तामणि<br>विक्रमांकदेवचरित,<br>चौरपञ्चाशिका                                  | ग्यारहवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध |
| भोज            | रामायणचम्पू, युक्तिकल्पतरू                                                            | ग्यारहवीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध |
| पद्मगुप्त      | नवसाहस्रान्तकचरित                                                                     | 1005 ई.                          |
| केशवमिश्र      | तर्कभाषा                                                                              | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| अनुभूतिस्वरूप  | सारस्वतप्रक्रिया                                                                      | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| वत्सराज        | किरातार्जुनीय,<br>रूक्मिणीहरण,<br>त्रिपुरदाह, समुद्रमंथन,<br>कर्पूरचरित, हास्यचूडामणि | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| भास्कराचार्य   | सिद्धान्तशिरोमणि, लीलावती,<br>बीजगणित, ग्रहगणित, गोल                                  | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| मम्मट          | काव्यप्रकाश                                                                           | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| जल्हण          | सोमपालचरित                                                                            | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| महेश्वर        | विश्वप्रकाश                                                                           | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| अज्ञात         | पृथ्वीराजविजय                                                                         | 1192 ई.                          |
| कल्हण          | राजतरंगिणी                                                                            | 1148 ई. से 1151 ई. तक            |
| मड             | श्रीकण्ठचरित                                                                          | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| श्रीहर्ष       | नैषधीयचरित                                                                            | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| गोवर्धनाचार्य  | आर्यासप्तशती                                                                          | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| जयदेव          | गीतगोविन्द                                                                            | बारहवीं शताब्दी ई.               |
| विज्ञानभिक्षु  | सांख्यप्रवचनभाष्य                                                                     | तेरहवीं शताब्दी ई.               |
| गंगेश उपाध्याय | तत्त्वचिन्तामणि                                                                       | तेरहवीं शताब्दी ई.               |
| मध्वाचार्य     | पूर्णप्रज्ञभाष्य                                                                      | तेरहवीं शताब्दी ई.               |
| यशोधर          | जयमंगलव्याख्या (कामसूत्र पर)                                                          | तेरहवीं शताब्दी ई.               |
| यशपाल          | मोहमुद्गर                                                                             | तेरहवीं शताब्दी ई.               |
| शाङ्गधर        | शाङ्गधर संहिता                                                                        | तेरहवीं शताब्दी ई.               |
| सोमेश्वर       | कीर्तिकौमुदी                                                                          | तेरहवीं शताब्दी ई.               |

|                |                                                   |                                                        |
|----------------|---------------------------------------------------|--------------------------------------------------------|
| गंगादास        | छन्दोमंजरी                                        | तेरहवीं शताब्दी ई. से<br>पन्द्रहवीं शताब्दी<br>1350 ई. |
| राजशेखर        | प्रबन्धकोश                                        | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| विद्यापति      | पुरुषपरीक्षा                                      | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| नारायण पंडित   | हितोपदेश                                          | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| माधवाचार्य     | सर्वदर्शनसंग्रह                                   | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| विश्वनाथ       | साहित्यदर्पण                                      | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| मरूतुंग        | प्रबन्धचिन्तामणि                                  | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| नयचन्द्रसूरि   | हम्मीरमहाकाव्य                                    | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| वेदान्तदेशिक   | संकल्पसूर्योदय                                    | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| सुपद्म         | सौपद्यव्याकरण                                     | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| रामचन्द्र      | प्रक्रियाकौमुदी                                   | चौदहवीं शताब्दी ई.                                     |
| जोनराज         | राजतरंगिणी                                        | 1450 ई.                                                |
| श्रीवर         | जैनराजतरंगिणी                                     | 1485 ई.                                                |
| अनन्तभट्ट      | भारतचम्पू                                         | पन्द्रहवीं शताब्दी ई.                                  |
| केदारभट्ट      | वृत्तरत्नाकर                                      | पन्द्रहवीं शताब्दी ई.                                  |
| वल्लभाचार्य    | अणुभाष्य                                          | 1479 ई. - 1544 ई.                                      |
| बल्लालसेन      | भोजप्रबन्ध                                        | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| कविकर्णपूर     | आनन्दवृन्दावनचम्पू                                | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| शेषश्रीकृष्ण   | पारिजातहरणचम्पू                                   | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| जीवगोस्वामी    | गोपालचम्पू                                        | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| तिरूमलाम्बा    | वरदाम्बिका-परिणयचम्पू                             | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| शुक            | राजतरंगिणी                                        | 1596 ई.                                                |
| कर्णपूर        | चैतन्यचन्द्रोदय                                   | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| भावमिश्र       | भावप्रकाश                                         | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| भट्टोजिदीक्षित | सिद्धान्तकौमुदी                                   | सोलहवीं शताब्दी ई.                                     |
| अन्नभट्ट       | तर्कसंग्रह                                        | सत्रहवीं शताब्दी ई.                                    |
| विश्वनाथ       | न्यायपञ्चानन, भाषा-<br>परिच्छेद, न्यायसूत्रवृत्ति | सत्रहवीं शताब्दी ई.                                    |

|                            |                                                              |                      |
|----------------------------|--------------------------------------------------------------|----------------------|
| कौण्डभट्ट                  | वैयाकरणभूषणसार                                               | सत्रहवीं शताब्दी ई.  |
| नागेशभट्ट                  | वैयाकरण-<br>सिद्धान्तलघुमंजूषा                               | सत्रहवीं शताब्दी ई.  |
| सदानन्द                    | वेदान्तसार                                                   | सत्रहवीं शताब्दी ई.  |
| नीलकण्ठदीक्षित             | नीलकण्ठविजय- चम्पू                                           | सत्रहवीं शताब्दी ई.  |
| जगन्नाथ                    | (पण्डितराज) रसगंगाधर,<br>भामिनिविलास, गंगांलहरी,<br>सुधालहरी | सत्रहवीं शताब्दी ई.  |
| वेंकटाध्वरि                | विश्वगुणादर्शचम्पू                                           | सत्रहवीं शताब्दी ई.  |
| अम्बिकादत्त व्यास          | शिवराजविजय                                                   | 1858-1900 ई.         |
| तारानाथतर्कवाचस्पति        | वाचस्पत्य                                                    | 1873-1884 ई.         |
| राधाकान्तदेव-शब्दकल्पद्रुम |                                                              | उन्नीसवीं शताब्दी ई. |
| क्षमाराव (पण्डिता)         | कथामुक्तावली,<br>विचित्रपरिषद् यात्रा                        | 1890-1954 ई.         |